सरिया कॉलेज में हिंदी विभाग की संगोष्ठी में बोले डॉ मिथिलेश सिंह

हिंदी राष्ट्रभाषा बनने के लिए चुनौतियों का कर रही सामना

प्रतिनिधि, सरिया

सरिया कॉलेज में बुधवार को हिंदी विभाग ने '21वीं सदी में हिंदी अवसर एवं चुनौतियां' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया. मुख्य वक्ता के रूप में विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग के छात्र-कल्याण संकायाध्यक्ष सह कुलानुशासक प्रो (डॉ.) मिथिलेश कुमार सिंह थे. कॉलेज के प्राचार्य डॉ संतोष कुमार लाल ने उनका स्वागत किया. मुख्य वक्ता डॉ सिंह ने कहा कि संवैधानिक रूप से हिंदी राजभाषा अवश्य है, पर आज तक इसे राष्ट्रभाषा बनने में अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है. इन चुनौतियों में पूंजीवादी सोच, अंग्रेजियत मानसिकता, नौकरशाही एवं जनमानस की मानसिकता मुख्य कारक है. हमें ज्ञात होना चाहिये कि देश की आजादी में हिंदी भारतीयों को एकजुट करने में अहम भूमिका निभायी. आज जागरूकता की आवश्यकता है. कहा कि सीखना एक सतत प्रक्रिया है. इसलिए विद्यार्थियों व शिक्षकों को हमेशा सीखते रहना चाहिए. वैश्वीकरण के दौर में विभिन्न भाषाओं का ज्ञान आवश्यक है. पर, जब भी मातृभाषा की बात आये तो हमें हिंदी को सर्वोच्च सम्मान देना चाहिए. उन्होंने विद्यार्थियों को कहा कि राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी भाषा की विभिन्न चुनौतियों के साथ ही कई अवसर भी है. हिंदी के माध्यम से शिक्षा, अनुवादक, राजभाषा अधिकारी, शिक्षण, सोशल मीडिया आदि क्षेत्रों में रोजगार के अवसर तलाशे जा सकते हैं. गोष्ठी का संचालन हिंदी विभाग के प्रो प्रमोद कुमार ने किया. मौके पर प्रो अरुण कुमार, प्रो आरके मिश्रा, प्रो कार्तिक यादव, प्रो आशीष कुमार सिंह, प्रो असित दिवाकर समेत काफी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे.

संगोष्ठी को संबोधित करते अतिथि.

फोटो ।प्रभात खबर

प्रोफेशनल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन

सरिया कॉलेज के आइक्यूएसी ने प्रोफेशनल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया. मुख्य वक्ता प्रो (डॉ) मिथिलेश कुमार सिंह ने यूजीसी नियमावली एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में सभी शिक्षकों को शिक्षण प्रक्रिया, रिसर्च एवं विद्यार्थियों के सीखने-सिखाने की आधुनिक एवं प्रभावपूर्ण विधि से अवगत कराया. साथ ही शिक्षण कौशल की मूलभूत आवश्यकताओं के प्रयोग पर बल दिया. शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण तथा आधुनिक तकनीक का उपयोग शैक्षणिक कार्य में करने का सुझाव दिया. कार्यक्रम में सभी शिक्षकों ने भाग लिया.

E NOTARY PUBLIC, BOKARO
FFIDAVIT
UN W/o Jafiruddin, by
m, resident of Purani
Baru, P.O.- Baru, P.S.-
, Dist.- Bokaro,
nd, Pin- 829301, do
olemnly affirm on oath

BEFORE THE NOTARY PUBLIC, BOKARO
AFFIDAVIT
I, JAFIRUDDIN S/o Late Gayasuddin, by faith- Islam, resident of Purani Maszid,

दैनिक भास्कर

गिरिडीह भास्कर 19-10-2023

हमें हिंदी को सर्वोच्च सम्मान देना चाहिए: डॉ. सिंह

सरिया कॉलेज में 21वीं सदी में हिंदी अवसर और चुनौतियां विषय पर संगोष्ठी

भास्कर न्यूज़|सरिया

बुधवार को सरिया कॉलेज, सरिया में हिंदी विभाग की ओर से 21वीं सदी में हिंदी : अवसर और चुनौतियां विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग के छात्र-कल्याण संकायाध्यक्ष सह कुलानुशासक प्रो (डॉ.) मिथिलेश कुमार सिंह उपस्थित हुए।

सर्वप्रथम कॉलेज के प्राचार्य डॉ संतोष कुमार लाल ने बुके एवं शॉल देकर स्वागत व सम्मानित किया। मुख्य वक्ता डॉ सिंह ने कहा कि संवैधानिक रूप से हिंदी राजभाषा अवश्य है, पर आज तक इसे राष्ट्रभाषा बनने में अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इन चुनौतियों में पूंजीवादी सोच, अंग्रेजियत मानसिकता, नौकरशाही एवं जनमानस की मानसिकता मुख्य कारक है। हमें ज्ञात होना चाहिए कि देश की आजादी में हिंदी ने भारतीयों को एकजुट करने में अहम भूमिका निभाई है। आज जागरूकता की आवश्यकता है। उन्होंने कहा की सीखना एक सतत प्रक्रिया है इसलिए विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को हमेशा सीखते रहना चाहिए। वैश्वीकरण के दौर में विभिन्न भाषाओं का ज्ञान आवश्यक है। पर जब भी मातृभाषा की बात आए तो हमें हिंदी को सर्वोच्च सम्मान देना चाहिए। हिंदी के माध्यम से शिक्षा, अनुवादक, राजभाषा अधिकारी, शिक्षण, सोशल मीडिया आदि क्षेत्रों में रोजगार के अवसर तलाशे जा सकते हैं। इस कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग के प्रो प्रमोद कुमार ने किया।

मौके पर प्रो अरुण कुमार, प्रो आरके मिश्रा, प्रो कार्तिक यादव, प्रो आशीष कुमार सिंह, प्रो आसित दिवाकर समेत काफी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

प्रोफेशनल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन

सरिया कॉलेज के आईक्यूएसी ने प्रोफेशनल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया। जिसमें मुख्य वक्ता प्रो (डॉ) मिथिलेश कुमार सिंह ने यूजीसी नियमावली और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में सभी शिक्षकों को शिक्षण प्रक्रिया, रिसर्च एवं विद्यार्थियों के सीखने-सिखाने की आधुनिक और प्रभावपूर्ण विधि से अवगत कराया। साथ ही शिक्षण कौशल की मूलभूत आवश्यकताओं के प्रयोग पर बल दिया। शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक तकनीक का उपयोग शैक्षणिक कार्य में करने का सुझाव दिया। कार्यक्रम में सभी शिक्षकों ने भाग लिया।

"21वीं सदी में हिंदी : अवसर एवं चुनौतियां" विषय पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया (गिरिडीह) : बुधवार को सरिया कॉलेज, सरिया में हिंदी विभाग के द्वारा "21वीं सदी में हिंदीः अवसर एवं चुनौतियां" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग के छात्र-कल्याण संकायाध्यक्ष सह कुलानुशासक प्रो (डॉ.) मिथिलेश कुमार सिंह उपस्थित हुए। सर्वप्रथम कॉलेज के प्राचार्य डॉ संतोष कुमार लाल ने बुके एवं शॉल देकर स्वागत व सम्मानित किया। मुख्य वक्ता डॉ सिंह ने कहा कि संवैधानिक रूप से हिंदी राजभाषा अवश्य है, पर आज तक इसे राष्ट्रभाषा बनने में अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इन चुनौतियों में पूंजीवादी सोच, अंग्रेजियत मानसिकता, नौकरशाही एवं जनमानस की मानसिकता मुख्य कारक है। हमें ज्ञात होना चाहिए कि देश की आजादी में हिंदी भारतीयों को एकजुट करने में अहम भूमिका निभाई है। आज जागरूकता की आवश्यकता है। उन्होंने कहा की सीखना एक सतत प्रक्रिया है इसलिए विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को हमेशा सीखते रहना चाहिए। वैश्वीकरण के दौर में विभिन्न भाषाओं का ज्ञान आवश्यक है। पर जब भी मातृभाषा की बात आए तो हमें हिंदी को सर्वोच्च सम्मान देना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को कहा कि राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी भाषा की विभिन्न चुनौतियों के साथ ही कई अवसर भी हैं। हिंदी के माध्यम से शिक्षा, अनुवादक, राजभाषा अधिकारी, शिक्षण, सोशल मीडिया आदि क्षेत्रों में रोजगार के अवसर तलाशे जा सकते हैं। इस कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग के प्रो प्रमोद कुमार ने किया। इस मौके पर प्रो अरुण कुमार, प्रो आरके मिश्रा, प्रो कार्तिक यादव, प्रो आशीष कुमार सिंह, प्रो आसित दिवाकर समेत काफी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

"21वीं सदी में हिंदी : अवसर एवं चुनौतियां" विषयक संगोष्ठी का हुआ आयोजन

हिंदी में है अपार संभावनाएं : प्रो मिथिलेश

गिरिडीह। राष्ट्रीय मुख्यधारा

सरिया कॉलेज में हिंदी विभाग द्वारा बुधवार को "21वीं सदी में हिंदी : अवसर एवं चुनौतियां" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग के छात्र-कल्याण संकायाध्यक्ष सह कुलानुशासक प्रो (डॉ.) मिथिलेश कुमार सिंह उपस्थित हुए। सर्वप्रथम कॉलेज के प्राचार्य डॉ संतोष कुमार लाल ने बुके एवं शॉल देकर स्वागत व सम्मानित किया। मुख्य वक्ता डॉ सिंह ने कहा कि संवैधानिक रूप से हिंदी राजभाषा अवश्य है, पर आज तक इसे राष्ट्रभाषा बनने में अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इन चुनौतियों में पूंजीवादी सोच, अंग्रेजियत मानसिकता, नौकरशाही एवं जनमानस की मानसिकता मुख्य कारक है। हमें ज्ञात होना चाहिए कि देश की आजादी में हिंदी भारतीयों को एकजुट करने में अहम भूमिका निभाई है। आज जागरूकता की आवश्यकता है। उन्होंने कहा की सीखना एक सतत प्रक्रिया है इसलिए विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को हमेशा सीखते रहना चाहिए। वैश्वीकरण के दौर में विभिन्न भाषाओं का ज्ञान आवश्यक है। पर जब भी मातृभाषा की बात आए तो हमें हिंदी को सर्वोच्च सम्मान देना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को कहा कि राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी भाषा की विभिन्न चुनौतियों के साथ ही कई अवसर भी हैं। हिंदी के माध्यम से शिक्षा, अनुवादक, राजभाषा अधिकारी, शिक्षण, सोशल मीडिया आदि क्षेत्रों में रोजगार के अवसर तलाशे जा सकते हैं। इस कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग के प्रो प्रमोद कुमार ने किया। इस मौके पर प्रो अरुण कुमार, प्रो आरके मिश्रा, प्रो कार्तिक यादव, प्रो आशीष कुमार सिंह, प्रो आसित दिवाकर समेत काफी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

प्रोफेशनल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन- सरिया कॉलेज के आई.क्यू.ए.सी. द्वारा प्रोफेशनल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता प्रो (डॉ) मिथिलेश कुमार सिंह ने यूजीसी नियमावली एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में सभी शिक्षकों को शिक्षण प्रक्रिया, रिसर्च एवं विद्यार्थियों के सीखने-सिखाने की आधुनिक एवं प्रभावपूर्ण विधि से अवगत कराया। साथ ही शिक्षण कौशल की मूलभूत आवश्यकताओं के प्रयोग पर बल दिया। शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण तथा आधुनिक तकनीक का उपयोग शैक्षणिक कार्य में करने का सुझाव दिया। कार्यक्रम में सभी शिक्षकों ने भाग लिया।